यूपी के व्यंजनों को वैश्विक खानपान के नक्शे पर स्थापित करने की योजना

ओडीओसी योजना शुरू होगी

तैयारी

- यूपी में ओडीओपी को मिली है बड़ी सफलता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सूरत बदली
- अब खानपान को बढ़ावा देने के लिए यूपी दिवस पर नई योजना को लांच किया जाएगा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 'एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना के शुभारंभ का निर्णय लिया है।

ब्रांड यूपी को सशक्त बनाने में एक जनपद-एक उत्पाद योजना की बड़ी भूमिका के बाद अब उत्तर प्रदेश की पारंपरिक क्यूज़ीन को संगठित ब्रांडिंग के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का हर जनपद अपने विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ सामने आए, यही ओडीओसी योजना का मूल उद्देश्य है। उम्मीद है कि इसे 24 जनवरी यूपी दिवस पर लांच किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि मैनपुरी की सोनपापड़ी, मथुरा का पेड़ा, अलीगढ़ की चमचम, हाथरस की रबड़ी, कासगंज का कलाकंद और मूंग का दलमा, एटा की चिकोरी, सुल्तानपुर की कड़ाहा की पूरी और कोहड़े की सब्ज़ी, बाराबंकी की चंद्रकला मिठाई, आज़मगढ़ का सफ़ेद गाजर का हलवा, वाराणसी की लौंगलता, बरेली की सिंवइयां, अमेठी का समोसा, बस्ती का सिरका और सिद्धार्थनगर की रामकटोरी जैसी पारंपरिक मिठाइयां और व्यंजन केवल भोजन नहीं, बल्कि स्थानीय विरासत, कौशल और आर्थिकी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्हें गुणवत्ता, पहचान और बाज़ार उपलब्ध कराकर प्रदेश की सांस्कृतिक ताकत को आर्थिक शक्ति में बदला जाएगा।

हलवाइयों और छोटे उद्यमियों को मिले स्थाई आजीविका: मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ओडीओसी को ओडीओपी की तर्ज पर जमीनी स्तर पर लागू किया जाए, ताकि पारंपरिक कारीगरों, हलवाइयों और छोटे उद्यमियों को स्थायी आजीविका के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी उत्पादों को खाद सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जीआई टैगिंग को प्रोत्साहित करने, स्थानीय व्यंजनों की पहचान सुरक्षित रखने और युवाओं व आधुनिक उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार स्वाद-आधारित विविधता विकसित करने पर भी बल दिया।

सभी विश्वविद्यालय एक-एक खेल गोद लें : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बास्केटबॉल प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने से युवा तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओलंपिक में प्रदेश के प्रतिभागी खिलाड़ी को सरकार 10 लाख रुपये देती है। ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये का पुरस्कार और क्लास वन जॉब देने की व्यवस्था बनाई गई है। अब तक 500 से अधिक पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है।

पीएम आवास के दो लाख पात्रों को कल देंगे पैसा

मुख्यमंत्री रविवार 18 जनवरी को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के दो लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में एक-एक लाख रुपये की पहली किस्त ट्रांसफर करेंगे। यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से एक क्लिक में भेजी जाएगी। इस मौके पर केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी उपस्थित रहेंगे। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में करीब डेढ़ हजार लाभार्थी रहेंगे। इसके अलावा अन्य लाभार्थी जिलों से आनलाइन जुड़ेंगे। सभी जिलों में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।